प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

04 (a) डीपीटी

- टीकाकरण से संबंधित है।
- टिटनेस, काली खांसी, डिप्थीरिया की बीमारी से सुरक्षा के लिए दिया जाता है।
- आयुवर्ग - 16-24 माह के बीच

(b) हैजा

- जीवाणुजनित संक्रामक बीमारी जो विब्रीओ कॉलेरी नामक जीवाणु से होती
- यह जल, खाद्य पदार्थ, मक्खियों से तीव्रता से फैलता
- उल्टी व दस्त की समस्या होती है

(c) सर्वशिक्षा अभियान

- भारत सरकार द्वारा 2001 में क्रियान्वयन
- इसके अंतर्गत 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान।
- 2010 तक प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य था।

(ग) यूजीसी

- स

- राधाकृष्णन समिति की सिफारिश पर 1956 में स्थापना की गई

- यह सांविधिक संस्था उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करती।

- कार्य - उच्च शिक्षण संस्थानों को अनुदान तथा
  - स्वायत्ता रखना
  - नवीन वि. वि. आपेक्षता आदि।

(E) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम

IRDP
- 1978 में प्रारंभ
- उद्देश्य - ग्रामीण स्तर पर गरीबी बेरोजगारी दूर करना
- प्रावधान - सीमांत किसानों, खेतिहर मजदूर आदि को ऋण व सब्सिडी प्रदान करना ताकि वह स्वरोजगार को चालू कर सके।

(ख) भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

(घ) प्राक्कलन समिति

यह वित्त नियंत्रण से संबंधित संसदीय स्थायी समिति

सदस्य संख्या - 30 (सभी लोकसभा से)

कार्य => सरकार को मितव्ययता व कार्यकुशलता बढ़ाने की सलाह

(ग) यूनेस्को

- स्थापना - 1946
- संयुक्त राष्ट्र संघ का एक निकाय
- कार्य - शिक्षा, प्रकृति तथा समाजविज्ञान, संस्कृति तथा संचार के माध्यम से विश्व की शांति को बढ़ावा देना
- यह संस्था विश्व की प्राकृतिक, धार्मिक स्थलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल व संरक्षण प्रदान करती है।

(3) आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी

1986 में भोपाल में स्थापित संस्था। मध्यप्रदेश की शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्था। यह संस्था भारत व राज्य के वरिष्ठ व मध्य स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का काम करती है।

(4) [illegible]

[illegible] में [illegible] ने [illegible] किया जाता है इसके [illegible] कोई महत्व नहीं होता है।

(5) बंधुआ मजदूर

वह व्यक्ति जो लिए हुए ऋण को चुकाने के बदले ऋणदाता के लिए श्रम करता है बंधुआ मजदूर कहलाता है।

1976 में बंधुआ मजदूर को वर्जित घोषित किया गया है

संख्या (Mains Answer Sheet) सफलता का प्रवेश द्वार...

14 (क) विटामिन C

- विटामिन C का रासायनिक नाम एस्कार्बिक एसिड है
- विटामिन C की कमी से - स्कर्वी नामक रोग होता है
- इसकी कमी दूर करने के लिए नींबू, संतरा टमाटर आदि का सेवन करना चाहिए।

(ख)

(घ) एससी वर्ग के संरक्षण के लिए कोई तीन संवैधानिक प्रावधान

अनु. 17 - अस्पृश्यता का अंत

अनु 338 - राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का प्रावधान

अनु. 243(D) - पंचायतों में आरक्षण

(ङ) आई टी आई

- यह संस्थान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अधीन चलाये जाते है
- यह विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षुओं को तकनीकी कार्यों का प्रशिक्षण देते है
- 10वी के बाद प्रवेश दिया जाता है

प्र 2(A) राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम पर टिप्पणी कीजिये?

मलेरिया एक प्रोटोजोआ जनित रोग है जो मादा एनाफिलिज मच्छर के काटने से होता है भारत में प्रतिवर्ष मलेरिया से अनेक लोग बीमार होते है

अतः भारत सरकार ने मलेरिया उन्मूलन के लिए कार्यक्रम चलाया जो निम्न है -

मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

- प्रारम्भ
- उद्देश्य
- कार्य
- लक्ष्य

प्रारम्भ => 1953 में मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम जिसे बदलकर 1958 मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम किया गया।

कार्य => इस कार्यक्रम के अंतर्गत डी.डी.टी का छिड़काव।
- ज्वर पीड़ित व्यक्तियों की पहचान।
- रक्त की जाँच।

उद्देश्य => मलेरिया को उपचारात्मक व निरोधात्मक कार्यवाही से नियंत्रण।
=> रोगियों की खोज।
=> मलेरिया से किसी की मृत्यु न हो

PTO

KAUTILYA ACADEMY

- उन्होंने गांव में मुफ्त दवाईयें व ज्वर उपचार केंद्र स्थापित

लक्ष्य => 2030 तक मलेरिया उन्मूलन।

इस तरह मलेरिया के उन्मूलन का कार्यक्रम चलाकर मलेरिया के रोगियों में कमी आई है अतः इसके लिए अधिक जागरूकता की जरूरत है।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

प्रश्न संख्या

(Mains Answer Sheet)

2(B) पारिवारिक स्वास्थ्य क्या है इसके निर्धारित तत्वों का उल्लेख कीजिए ?

व्यक्तिगत व पारिवारिक प्रयासो द्वारा रोगो से संरक्षण व स्वस्थ रहने की क्रिया पारिवारिक स्वास्थ्य कहलाती है। इसमें स्वास्थ्य रक्षा के अंतर्गत उपचार के स्थान पर रोगो के निवारण पर अधिक ध्यान दिया जाता है

पारिवारिक स्वास्थ्य को निर्धारित करने वाले तत्वों को देखते हैं -

आनुवांशिकी :- कई लोग कई विशेष आनुवांशिकी असमानता से पैदा होते हैं स्वास्थ्य के प्रति असहनशीलता ऐसे में संतुलित पेय व खाद्य पदार्थ दिया जाता है

- परिवार में यदि किसी रोग पवारिक या मोटापा है तो बच्चों में इसके होने की संभावना आदि

स्वास्थ्य सेवाएं => स्वास्थ्य सेवाओं की लोगो तक पहुंच।

=> लोगों को पोषण के बारे में शिक्षा

=> समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना ताकि लोग आसानी से पहुंच सके व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ग्रहण कर सके।

3 पर्यावरण ⇒ भौतिक और सामाजिक पर्यावरण की जरूरत।

⇒ स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, शुद्ध पेयजल आदि पर्यावरण सुधार से स्वास्थ्य बेहतर

व्यक्तिगत स्वास्थ्य व्यवहार ⇒ अपने स्वास्थ्य के प्रति व्यक्तिगत रुचि का पता चलता है। ये सब व्यक्ति पारिवारिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। हम संतुलित जीवन चर्या अपनाकर स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका **(Mains Answer Sheet)** | सफलता का प्रवाह द्वार...

Q. 3(c) स्त्री शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालिये

किसी भी समाज के विकास में स्त्री व पुरुष की भागीदारी समान होती है फिर भी पुरुषों की शिक्षा पर बल दिया जाता है वही स्त्री शिक्षा पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है

आइए हम स्त्री शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते है और जानते है कि स्त्री शिक्षा क्यों जरूरी है-

- स्त्री शिक्षा से परिवार की स्थिति सुदृढ़ होती
- इससे महिलाएँ आर्थिक रूप सशक्त होती और आर्थिक विकास को गति मिलती।
- समाजीकरण की प्रक्रिया में सहायक।
- शिक्षित महिला बच्चों और परिवार की देखभाल अच्छे से करेगी।
- इससे शिशु मृत्यु दर व मातृ मृत्यु दर में कमी आयेगी।
- कुपोषण की समस्या निजात पाई जा सकती।
- स्त्री पर होने वाले अपराधों में कमी।
- देश व समाज के लिए बेहतर नागरिक तैयार।
- लिंग असमानता को कम आदि

उपरोक्त को देखते हुए स्त्री शिक्षा पर बल देने की आवश्यकता है ताकि कुपोषण, गरीबी जैसी समस्याओं से निजात पाई जा सके व सर्वोदय की अवधारणा को साकारित किया जा सके।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

प्र 2 (D) एनसीईआरटी पर संक्षिप्त टिप्पणी

NCERT, भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्थान तथा विद्यालयी शिक्षा से संबंधित है

NCERT को हम निम्न प्रकार से समझते हैं -

एनसीईआरटी

स्थापना | उद्देश्य | कार्य

स्थापना — 1961 में नई दिल्ली में की गई।

उद्देश्य => केन्द्र व प्रांतीय सरकारों को विद्यालयी शिक्षा के संबंध में सलाह देने हेतु।

कार्य :- शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय स्कूली शिक्षा के संबंध में सलाह व नीति निर्धारण।

- प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा में अनुसंधान, सहायता अनुदान और विकास में सहायता।
- स्कूली शिक्षा के लिए मॉडल पुस्तकें व पाठ्यक्रम निर्धारित करना।
- अध्यापकों के लिए पूर्व प्रशिक्षण व सेवारत प्रशिक्षण की व्यवस्था।
- शिक्षा में नए-2 साधनों व तकनीकों का प्रयोग

अतः NCERT उपरोक्त बातों को करती व सम्पूर्ण शिक्षा में स्वीकृत विकल्प दिशा को बढ़ावा देती है।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

2 (b) खुला वि० वि० के लाभों का वर्णन कीजिए

खुले वि.वि. ऐसे विश्वविद्यालय होते हैं जो दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देते तथा किन्हीं कारणों से वंचित रहे लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित किये जाते हैं–

ओपन विश्वविद्यालयों के लाभों को देखें तो वह निम्न दिखाई देते हैं

- इन वि.वि. में प्रवेश आसान होता अर्थात नामांकन की नीति सरल होती है।
- छात्र घर पर रह कर अध्ययन कर सकते हैं।
- छात्र मनपसंद के पाठ्यक्रम में नामांकन या प्रवेश ले सकते हैं अर्थात योग्यता का बंधन नहीं होता।
- यह ऐसे शिक्षार्थियों के अधिक लाभप्रद है जो देरी से पढ़ाई करते (सेवारत), उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक होते हैं।
- अध्यापन – अध्ययन कार्य मुद्रित अध्ययन सामग्री, मल्टीमीडिया, इंटरनेट अथवा रेडियो नेटवर्क के माध्यम से होता है।

इस तरह ओपन विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा में अहम भूमिका निभाते तथा पढ़ने के इच्छुक शिक्षार्थियों को अवसर प्रदान करते हैं।

Q 4(c) कुपोषण के प्रभावों का उल्लेख कीजिए

उचित पोषण युक्त भोजन के अभाव में व्यक्ति कुपोषण का शिकार होजाता है जिसके प्रभाव बच्चों व सामान्य व्यक्तियों में भी नजर आते हैं भारत में कुपोषण एक गंभीर समस्या है

कुपोषण के प्रभावों पर नजर डाले तो निम्न वर्गों को देख सकते है –

व्यस्कों पर प्रभाव ⇒ मांसपेशियों में कमजोरी।
– थकान, एनीमिया की समस्या
– संक्रमण का खतरा बढ़ जाता।

स्त्रियों पर प्रभाव ⇒ मातृ मृत्यु दर में वृद्धि।
– कुपोषित महिला कुपोषित बच्चे को जन्म देती हैं।
– शारीरिक व मानसिक विकास न होना। आदि।

बच्चों पर प्रभाव ⇒ उच्च शिशु मृत्यु दर
– कुपोषित बच्चे बीमारी अधिक
– चिड़चिड़ापन, मंदबुद्धि आदि।

सामाजिक व आर्थिक प्रभाव ⇒ मानव उत्पादकता कम।
– लोगों के सीखने व कार्य करने की क्षमता प्रभावित।

बीमारियों का गठजोड़ ⇒ क्वाशियोरकर, मरास्मस, एनीमिया, घेंघा आदि बीमारियां से ग्रसित होते।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सफलता का प्रवेश द्वार...

इस तरह कुपोषण समस्त आयुवर्ग के लोगो के प्रभावित करेगी जो सामाजिक व आर्थिक गति में बाधक अतः सरकार को इसे कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

म.प्र में स्वास्थ्य तंत्र पर जानकारी प्रदान कीजिए?

स्वास्थ्य मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है इसके लिए चाहिए की सभी को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध, सेवाएं गुणवत्तापूर्ण व सभी को सेवा प्राप्ति के लिए वित्तीय सहयोग तभी स्वास्थ्य तंत्र मजबूत होगा।

म.प्र स्वास्थ्य तंत्र को देखे तो निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है -

म.प्र. स्वास्थ्य तंत्र

- उपस्वास्थ्य केंद्र
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
- सामुदायिक
- जिला अस्पताल
- मेड[illegible]

उपस्वास्थ्य केंद्र => गांव, दूरदराज पहाड़ी क्षेत्रों में सेवा प्रदान करता।
- महिला स्वास्थ्यकर्ता, पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता व दाई होते
- टीकाकरण, गर्भवती जांच, परिवार नियोजन आदि कार्य।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र => 5-6 उपकेंद्र इससे जुड़े एक चिकित्सा अधिकारी पेरामेडिकल व अन्य कर्मचारी

KAUTILYA ACADEMY INDORE

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सफलता का प्रवेश द्वार...

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र – 80,000 – 1,20,000 जनसंख्या को स्वास्थ्य सुविधाए प्रदान करना
– 4 विशेषज्ञ चिकित्सा, पैरा मेडिकल स्टाफ व अन्य कर्मचारी

जिला अस्पताल → इन सबके अप. उप. है जो प्रत्येक जिले में स्थित
– व्यापक निजि सुविधाओं से युक्त

इस तरह म.प्र. में स्वास्थ्य तंत्र निचले स्तर से उच्च स्तर तक उपलब्ध जिस आवश्यकता सुचारु संचालन व प्रबंधन की ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं को निचले स्तर पर पहुंचाया जा सके।

(Mains Answer Sheet)

Q7 (7) म.प्र. शासन द्वारा बालिकाओं के लिए संचालित किन्ही 5 योजनाओं का उल्लेख करें।

म.प्र में बालिकाओं के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए सरकार द्वारा जोर दिया जा रहा है तथा प्रदेश सरकार द्वारा इनके उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की है।

बालिकाओं के लिए संचालित योजना -

1. लाडो अभियान - 2013 से प्रारंभ
- बाल विवाह रोकने के लिए योजना।

2. गांव की बेटी योजना - 2005 से प्रारंभ
- उच्च शिक्षा हेतु, छात्राओं को सहायता राशि

3. लाडली लक्ष्मी योजना - अप्रैल 2007 से प्रारंभ
- शैक्षणिक व आर्थिक स्तर पर सुधार
- आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है

4. गौरवी केंद्र ⇒ 2014 से भोपाल से प्रारंभ
महिलाओं के सम्मान व संरक्षण

5. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ⇒ 2004 से प्रारंभ
विकास खंड स्तर पर आवासीय सुविधा उपलब्ध

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

अन्य - मंगलदिवस कार्यक्रम, कन्यादान योजना आदि।

इसतरह म.प्र. सरकार द्वारा बालिकाओं के लिए उपरोक्त योजना का संचालन ताकि उनका सामाजिक व आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

(14) म.प्र. में लोकसेवकों हेतु प्रशिक्षण संस्थानों का उल्लेख कीजिए?

प्रशिक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति की कार्यकुशलता, निपुणता, योग्यता में वृद्धि की जाती जो परिवर्तित होती परिस्थिति में आवश्यक हो।

म.प्र. में लोकसेवकों की प्रशिक्षण के लिए अनेक संस्थानों की व्यवस्था की है -

प्रशिक्षण संस्थान

→ आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासकीय प्रबंधकीय अकादमी - भोपाल में स्थित यह राज्य व भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है।

→ राज्य वन अनुसंधान संस्थान ⇒ जबलपुर - राज्य वन सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण

→ पुलिस प्रशिक्षण शाला - इन्दौर में स्थित

→ म.प्र. ग्रामीण विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान ⇒ जबलपुर स्थित

केन्द्र => वायरलेस प्रशिक्षण संस्थान - इन्दौर
म.प्र. पुलिस एवं बंदोबस्त प्रशिक्षण
संस्थान, ग्वालियर आदि।

इस तरह म.प्र. पुलिस बल के प्रशिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था है ताकि वे नवीन तकनीकों, अपने कार्यों के बारे जानकारी, कार्यविधि सीखकर उनको अधिक दक्ष बना सकें।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Q3 (A) संसदीय नियंत्रण के विभिन्न साधनों का उल्लेख करें?

भारत में संसदीय शासन व्यवस्था को अपनाया गया जो लोकसभा व राज्यसभा से बनती है लोकसभा में बहुमत प्राप्त दल सरकार का गठन करते तथा केबिनेट व मंत्रिपरिषद का गठन होता जो देश के लिए नीति निर्माण, वित्तीय प्रबन्धन, का कार्य करते है अतः इनकी निरंकुशता को रोकने व जनहित में कार्य करने के लिए संसदीय नियंत्रण किया जाता है।

संसदीय नियंत्रण में विभिन्न साधनों का प्रयोग करते इसको नीचे विस्तार से समझते है –

संसदीय नियंत्रण

- आंतरिक नियंत्रण
  - प्रस्तावों पर बहस
  - प्रश्नकाल
  - शून्यकाल
  - कटौती प्रस्ताव
  - ध्यानाकर्षण प्रस्ताव
- बाह्य नियंत्रण
  - वित्त मंत्रालय का नियंत्रण
  - वित्तीय प्रशासनिक नियंत्रण
- समितियों के माध्यम
  - प्राक्कलन समिति
  - लोकलेखा समिति
  - लोकउपक्रम समिति

- अविश्वास प्रस्ताव

- आंतरिक नियंत्रण =)

प्रस्तावों पर बहस =) संसद में दोनों बजट पर व्याख्या कि वित्त वित्त विधेयकों पर पर्याप्त बहस उसके पश्चात विधेयकों पास किया जाता है

प्रश्नकाल =) संसद की कार्यवाही का पहला घंटा जिसमें मंत्रियों से उनसे संबंधित विषयों से प्रश्न पूछा जा सकता इसके अंतर्गत तारांकित अतारांकित, अल्प सूचना वाले प्रश्न शामिल होते

शून्य काल =) इसमें अति महत्वपूर्ण लोक महत्व के विषयों पर चर्चा होती।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव =) किसी मुद्दे पर संबंधित मंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिए।

बाह्य नियंत्रण =)

(1) वित्त मंत्रालय =) वित्त पर नियंत्रण बिना उसकी अनुमति

विनियोग के बिल को जनट में शामिल नहीं किया जा सकता।

संसदीय समितियाँ :- - अनुमान समिति व्ययों के अनुमानों का मूल्यांकन व मितव्ययता संबंधी सुझाव
लोक लेखा समिति लेखा की जाँच कर अनियमितताओं को प्रकाश में लाती है
सार्वजनिक उपक्रम समिति, सार्वजनिक उपक्रमों के लेखा की जाँच करती

इस तरह सरकार के नीति निर्माण व वित्त पर संसद केवरावत साधनों से नियंत्रण स्थापित करती है ताकि जनता का पैसा लोक-कल्याणकारी कार्यों में लगाया जा सके व देश का आर्थिक - सामाजिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। संसदीय नियंत्रण से न केवल सरकार पर दबाव स्थापित किया जाता बल्कि इससे जनता का विश्वास संसदीय व्यवस्था पर कायम रहता और लोकतंत्र मजबूत होता है।

प्रश्न संख्या

(Mains Answer Sheet)

प्र. 3 (1) प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता एवं उसकी चुनौतियों को समझाइये तथा इसे बेहतर बनाने के सुझाव ?

भारत में प्राथमिक शिक्षा 6 वर्ष के उम्र से दी जाती है एवं भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लिए बल दिया जा रहा है इसके लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 पारित किया गया जिसमें 6-14 वर्ष के सभी बच्चों को अनिवार्य व निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान किया गया जिससे प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षित किया जा सके।

प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता पर नजर डाले तो निम्न दिखाई देती है –

प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता

→ व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक विकास के लिए।
→ सशक्तिकरण के लिए।
→ मानव संसाधन विकास।
→ विभिन्न धर्मों, जाति, भाषा, लिंग के मध्य सहिष्णुता व समन्वय स्थापित।
→ लोकतंत्रीकरण को मजबूती।
→ उद्यमशीलता के विकास।
→ समावेशी विकास। आदि।

अतः प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता को देखते हुए इसके महत्व को समझा जा सकता है किंतु प्राथमिक शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के मार्ग में अनेक चुनौतियां है जो इसप्रकार है -

- आधारभूत संरचना का अभाव।
- भ्रष्टाचार के कारण योजनागत वित्त का उपयोग सही जगह नहीं।
- प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव।
- विद्यालयों की घर से दूर होना
- स्कूलों में पेयजल, शौचालयों अन्य सुविधाओं का न होना।
- गरीबी, बेरोजगारी से बच्चों को स्कूल न जाना।
- राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव।
- जागरूकता की कमी। आदि।

अतः प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए निम्न उपायों को अपनाये जाने की आवश्यकता है जो निम्न है -

- बजट मे प्राथमिक शिक्षा पर अधिक व्यय खर्च करना होगा।
- स्थायी व प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति।

- आधारभूत संरचना का विकास (यातायात, बिल्डिंग)
- स्कूल में मूलभूत सुविधाओं (पेयजल, शौचालय, आदि) का होना।
- गाँव के पास स्कूलों का खोला जाना।
- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना।
- जागरूकता अभियान चलाना। आदि।

इस प्रकार सार्वभौम प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण किया जा सकता है किंतु इसके लिए सरकार के प्रयास के साथ-2 जनता, NGO, सिविल सोसायटी आदि की साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षित किया जा सके व सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों (15) उनको प्राप्त कर सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया कर सकें।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

प्र.3(ब) टीकाकरण क्या है? टीके के विभिन्न प्रकार बताइये साथ ही कोविड-19 के टीके पर टिप्पणी प्रदान कीजिए?

टीकाकरण एक विशेष प्रकार की प्रक्रिया है जिसमें हम किसी रासायनिक पदार्थ को अपने शरीर में डालने पर व्यक्ति में प्रतिरक्षित या संक्रमक रोग के प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो जाती है और व्यक्ति कई जानलेवा बीमारियों से बच जाता. टीकाकरण के परिणामस्वरूप ही भारत में शिशु मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर में कमी देखने को मिली है

टीके के प्रकारों की बात करें तो भारत में शिशुओं, बच्चों व गर्भवती महिलाओं को निम्न प्रकार के टीके प्रदान किये जाते हैं

	टीके	देने का समय
गर्भवती महिलाओं को	टीटी-1	प्रारंभिक गर्भावस्था के समय
	टीटी-2	गर्भावस्था के 4 माह बाद

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

किसको	टीके	टीके देने का समय
	- बीसीजी	जन्म के तुरंत बाद
शिशुओं को दिये जाने वाले	- हैपेटाइटस बी	—॥—
	- ओपीवी (जन्म तुरंत)	—॥—
	ओपीवी 1,2,3 (ओरल पोलियो वेक्सीन)	6, 10, 14 सप्ताह
	- पेंटावेलेंट 1,2, 3	6, 10, 14 सप्ताह
	- रोटावायरस	6, 10, 14 सप्ताह
	- मीजल्स (प्रथम बार	9-12 माह के बीच
	- डीपीटी	- 16-24 महीने
बच्चों के लिए	बूस्टर 1 व 2	5-6 वर्ष
	ओपीवी बूस्टर	16-24 माह

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

कोविड-19 => वर्तमान में विश्व में कोरोना नामक महामारी का प्रकोप है इस विश्व का महामारी के टीके को बनाने का प्रयास कर रहा है यहाँ देशों द्वारा बनाए टीके -

- UK के ऑक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी द्वारा बनाया टीके को तीसरे चरण के ट्रायल जिसमें एक बड़े समूह को इस टीके को दिया गया है।
- भारत की कम्पनी के द्वारा कोवैक्सीन तैयार की जो तीसरे चरण के ट्रायल में आ गया चुकी है। दिसंबर 2020 तक तैयार होने की संभावना।
- रूस द्वारा स्पूतनिक V वेक्सीन जो बनकर तैयार लेकिन प्रमाण द्वारा मान्यता नहीं।

इस तरह टीकाकरण कई घातक बीमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकसित करता है व व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखता है वर्तमान में संपूर्ण विश्व में कोरोना महामारी का प्रकोप छाया जिसका इलाज उपलब्ध अतः सभी देशों द्वारा इसके टीके के निर्माण का प्रयास किया जा रहा ताकि कोरोना जैसी महामारी पर काबू पाया जा सके।